**भारत सरकार**

**स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय**

**स्वास्थ्य अनुसंधान विभाग**

**लोक सभा**

**तारांकित प्रश्न संख्या : 200**

**दिनांक 15 दिसंबर, 2023 को उत्तर देने के लिए**

**कैंसर की स्क्रीनिंग**

**200*. श्री विजयकुमार उर्फ विजय वसंतः**

क्या **स्वास्थ्य और परिवार कल्याण** मन्त्री यह बताने की कृपा करेंगे किः

(क) क्या यह सच है कि भारतीय आयुर्विज्ञान अनुसंधान परिषद (आईसीएमआर) का देश में कैंसर की जांच के उपायों और उपचार में तेजी लाने के लिए उपाय शुरू करने/उन्हें कार्यान्वित करने का विचार है और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;

(ख) क्या यह सच है कि देश भर में केवल कुछ जिले ही सरकार के मानकों के अनुरूप कैंसर की जांच के उपायों को प्रभावी ढंग से कार्यान्वित करने में सक्षम हैं और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;

(ग) क्या यह सच है कि देश में वर्ष 2020 से 2040 के बीच कैंसर के मामलों में 57.5 प्रतिशत की भारी वृद्धि होने की संभावना है और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;

(घ) क्या यह भी सच है कि प्रत्यायित सामाजिक स्वास्थ्य कार्यकर्ताओं (आशा) का देश में घर पर ही जाकर कैंसर की स्क्रीनिंग को बढ़ावा देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाने की क्षमता है और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है; और

(ङ) क्या सरकार का देश में आशा कार्यकर्ताओं की क्षमता का उपयोग करने का विचार है और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है?

**उत्तर**

**स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मन्त्री**

**(डॉ. मनसुख मांडविया)**

(क) से (ङ): सभा पटल पर रखा जाने वाला विवरण।

*****

**दिनांक 15 दिसंबर 2023 के लिए लोकसभा के तारांकित प्रश्न संख्या 200* के उत्तर में दिया जाने वाला विवरण**

(क) और (ख): स्वास्थ्य और परिवार कल्याण विभाग, भारत सरकार राष्ट्रीय असंचारी रोग निवारण एवं नियंत्रण कार्यक्रम (एनपी-एनसीडी) के अंतर्गत राज्यों/संघ राज्य क्षेत्रों को तकनीकी और वित्तीय सहायता प्रदान करता है। एनपी-एनसीडी मुख कैंसर, स्तन कैंसर और गर्भाशय ग्रीवा के कैंसर की जांच और निदान पर केंद्रित है। कार्यक्रम में निम्नलिखित शामिल हैं,

i. अवसंरचना को मजबूत करना
ii. मानव संसाधन विकास
iii. स्वास्थ्य संवर्धन
iv. आयुष्मान आरोग्य मंदिर योजना के तहत 30 वर्ष और उससे अधिक की आबादी की स्क्रीनिंग
v. प्रारंभिक निदान और प्रबंधन
vi. स्वास्थ्य सुविधा के उपयुक्त स्तर के लिए रेफरल

राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन (एनएचएम) के तहत व्यापक प्राथमिक स्वास्थ्य परिचर्या के एक भाग के रूप में आयुष्मान आरोग्य मंदिर में सामान्य कैंसर अर्थात मुख, स्तन और गर्भाशय ग्रीवा के कैंसर सहित असंचारी रोगों के लिए जनसंख्या आधारित रोकथाम, स्क्रीनिंग और प्रबंधन पहल कार्यान्वित की जाती है। देश भर में कुल 1,63,273 आयुष्मान आरोग्य मंदिर कार्यरत हैं। मुख कैंसर के लिए कुल 18.46 करोड़, स्तन कैंसर के लिए 8.88 करोड़ और गर्भाशय ग्रीवा के कैंसर के लिए 4.96 करोड़ लोगों की जांच की गई है। जांच किए गए पॉजिटिव रोगियों को निदान के लिए सीएचसी एनसीडी क्लीनिकों और/या जिला अस्पताल एनसीडी क्लीनिकों में भेजा जाता है और उपचार हेतु उपयुक्त सुविधा के लिए भेजा जाता है। एनपी-एनसीडी के अंतर्गत अब तक 753 जिला एनसीडी क्लीनिक, 355 जिला डे केयर सेंटर और 6237 सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र एनसीडी क्लीनिक स्थापित किए गए हैं।

स्वास्थ्य अनुसंधान विभाग (डीएचआर) ने डीएचआर-आईसीएमआर एडवांस्ड मॉलिक्यूलर ऑन्कोलॉजी डायग्नोस्टिक सर्विसेज (डायमंड्स) उप-योजना की स्थापना की है जिसके तहत 18 केंद्र स्तन और फेफड़ों के कैंसर की जांच प्रदान कर रहे हैं।

कैंसर की रोकथाम और उपचार के लिए जागरूकता पैदा करने हेतु, निम्नलिखित कार्रवाई शुरू की गई है:-

1. आयुष्मान आरोग्य मंदिर योजना के माध्यम से व्यापक प्राथमिक स्वास्थ्य देखभाल के तहत सामुदायिक स्तर पर कल्याण गतिविधियों और लक्षित संचार को बढ़ावा देकर कैंसर के निवारक पहलू को मजबूत किया जाता है।
2. राष्ट्रीय कैंसर जागरूकता दिवस, विश्व कैंसर दिवस मनाने सहित स्वस्थ जीवन शैली को बढ़ावा देने के बारे में प्रिंट, इलेक्ट्रॉनिक और सोशल मीडिया के माध्यम से जन जागरूकता का सृजन करना।

3. भारतीय खाद्य संरक्षा और मानक प्राधिकरण (एफएसएसएआई) के माध्यम से पोषणयुक्त भोजन को बढ़ावा दिया जाता है।

4. फिट इंडिया मूवमेंट युवा मामले और खेल मंत्रालय द्वारा लागू किया गया है।

5. आयुष मंत्रालय द्वारा योग से संबंधित विभिन्न गतिविधियां की जाती हैं।

अवसंरचना के संबंध में सरकार द्वारा की गई कार्रवाई इस प्रकार है:

1. केंद्र सरकार तृतीयक परिचर्या कैंसर सुविधाओं के सुदृढ़ीकरण योजना को कार्यान्वित करती है। उक्त स्कीम के अंतर्गत 19 राज्य कैंसर संस्थान (एससीआई) और 20 तृतीयक परिचर्या कैंसर केन्द्र (टीसीसीसी) अनुमोदित किए गए हैं। ब्यौरा **अनुलग्नक 1** में दिया गया है।

2. झज्जर (हरियाणा) में राष्ट्रीय कैंसर संस्थान और चितरंजन राष्ट्रीय कैंसर संस्थान, कोलकाता का दूसरा परिसर भी स्थापित किया गया है।

3. प्रधानमंत्री स्वास्थ्य सुरक्षा योजना (पीएमएसएसवाई) के तहत सभी नए एम्स और 13 उन्नत मौजूदा राजकीय चिकित्सा महाविद्यालयों/संस्थानों में भी कैंसर के उपचार पर ध्यान केंद्रित किया गया है। ब्यौरा **अनुलग्नक 2** में दिया गया है।

सुलभ और किफायती स्वास्थ्य परिचर्या और उपचार की सुविधा के लिए निम्नलिखित कदम उठाए गए हैं -

1. प्रधानमंत्री जन आरोग्य योजना (पीएमजेएवाई) के तहत, 12 करोड़ लाभार्थी परिवारों को द्वितीयक या तृतीयक देखभाल अस्पताल में भर्ती होने के लिए प्रति परिवार प्रति वर्ष 5 लाख रुपये का स्वास्थ्य बीमा कवर प्रदान किया जाता है। स्वास्थ्य लाभ पैकेज (एचबीपी) 2022, कुल 1,121 उपचार पैकेजों के अनुरूप उपचार प्रदान करता है जिसमें एनसीडी के लिए 27 विभिन्न विशिष्टताओं में 1,949 प्रक्रियाएं शामिल हैं। 549 प्रक्रियाएं कैंसर से संबंधित हैं। 7 दिसंबर 2023 तक, 1980 अस्पतालों के नेटवर्क के माध्यम से 6572.25 करोड़ रुपये की राशि के कुल 35.07 लाख अस्पताल भर्तियों को अधिकृत किया गया है।

2. राष्ट्रीय आरोग्य निधि (आरएएन) और स्वास्थ्य मंत्री के विवेकाधीन अनुदान (एचएमडीजी) की अम्ब्रेला स्कीम के तहत कैंसर सहित प्रमुख जानलेवा बीमारियों से पीड़ित गरीबी रेखा से नीचे जीवन यापन करने वाले परिवारों के गरीब रोगियों को वित्तीय सहायता प्रदान की जाती है। एचएमडीजी के तहत उपचार लागत के एक हिस्से को कम करने के लिए अधिकतम 1,25,000/- रुपये तक की वित्तीय सहायता प्रदान की जाती है और आरएएन की अम्ब्रेला योजना के तहत प्रदान की जाने वाली अधिकतम वित्तीय सहायता 15 लाख रुपये है।

3. राज्य सरकारों के सहयोग से प्रधानमंत्री भारतीय जनऔषधि परियोजना (पीएमबीजेपी) के तहत सभी को सस्ती कीमतों पर गुणवत्तापूर्ण जेनेरिक दवाएं उपलब्ध कराई जाती हैं। कैंसर की औषधियों को अधिकतम खुदरा मूल्य की तुलना में पर्याप्त छूट पर उपलब्ध कराने के लिए कुछ

अस्पतालों/संस्थानों में उपचार के लिए किफायती दवाएं और विश्वसनीय प्रत्यारोपण उपचार (अमृत) फार्मेसी स्टोर स्थापित किए गए हैं।

भारतीय आयुर्विज्ञान अनुसंधान परिषद (आईसीएमआर) ने राष्ट्रीय स्वास्थ्य अनुसंधान प्राथमिकता के रूप में कैंसर की जांच, शीघ्र निदान और उपचार में तेजी लाने के उपायों के विषय की पहचान की है और इन विषयों में अनुसंधान शुरू किया है। इसका उद्देश्य स्वीकृत और मान्य तरीकों का उपयोग करके मौजूदा स्वास्थ्य देखभाल प्रणाली के माध्यम से कैंसर स्क्रीनिंग की कवरेज और गुणवत्ता में सुधार करना है।

(ग) : भारतीय आयुर्विज्ञान अनुसंधान परिषद- राष्ट्रीय कैंसर रजिस्ट्री कार्यक्रम (आईसीएमआर-एनसीआरपी) के अनुसार, वर्ष (2020-2022) के लिए देश में कैंसर के मामलों में अनुमानित वृद्धि हो रही है और ब्यौरा निम्नानुसार है।

| **कैंसर के मामलों की अनुमानित घटनाएं (2020-2022) - दोनों लिंग** | | | |
|---|---|---|---|
| **वर्ष** | **2020** | **2021** | **2022** |
| भारत में कैंसर के मामलों की अनुमानित घटनाएं | 13,92,179 | 14,26,447 | 14,61,427 |

कैंसर के मामलों की संख्या 2022 में 14.61 लाख से बढ़कर 2025 में 15.7 लाख होने का अनुमान है।

(घ) और (ङ) : प्रत्यायित सामाजिक स्वास्थ्य कार्यकर्ता (आशा) समुदाय आधारित मूल्यांकन चेकलिस्ट (सीबीएसी) प्रपत्रों का उपयोग करके तीस वर्ष और उससे अधिक आयु वर्ग के व्यक्तियों का जोखिम मूल्यांकन करती हैं और सामान्य असंचारी रोगों (उच्च रक्तचाप, मधुमेह, मुख कैंसर, स्तन कैंसर और गर्भाशय ग्रीवा के कैंसर) की जांच के लिए व्यक्तियों को आयुष्मान आरोग्य मंदिर (एएएम) लाती हैं। आशा द्वारा जीवन शैली में परिवर्तन, उपचार अनुपालन के लिए दौरा करके और रोगियों को कैंसर के नियमित अनुवर्ती कार्य के लिए स्वास्थ्य देखभाल केंद्रों में जाने के लिए प्रोत्साहित करके पहचान किए गए व्यक्तियों का सामुदायिक अनुवर्ती कार्य किया गया है। ग्रामीण और शहरी दोनों क्षेत्रों में एएएम-उप स्वास्थ्य केंद्रों, एएएम-प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्रों, जिला अस्पतालों और अन्य तृतीयक देखभाल संस्थानों के माध्यम से देखभाल की निरंतरता सुनिश्चित की जाती है। आशाओं के लिए प्रशिक्षण मॉड्यूल विकसित किया गया है और सामान्य एनसीडी की स्क्रीनिंग पर नियमित प्रशिक्षण आयोजित किया गया है।

*****

**अनुलग्नक 1**

## एससीआई/टीसीसीसी की तालिका:

| क्र. सं. | राज्य | संस्थान का नाम | एससीआई/ टीसीसीसी |
|---|---|---|---|
| 1 | आंध्र प्रदेश | कुरनूल चिकित्सा महाविद्यालय, कुरनूल | एससीआई |
| 2 | असम | गौहाटी चिकित्सा महाविद्यालय एवं अस्पताल, गुवाहाटी | एससीआई |
| 3 | बिहार | इंदिरा गांधी आयुर्विज्ञान संस्थान, पटना | एससीआई |
| 4 | छत्तीसगढ़ | छत्तीसगढ़ आयुर्विज्ञान संस्थान, बिलासपुर | एससीआई |
| 5 | दिल्ली | लोक नायक अस्पताल | टीसीसीसी |
| 6 | गुजरात | गुजरात कैंसर अनुसंधान संस्थान, अहमदाबाद | एससीआई |
| 7 | गोवा | गोवा चिकित्सा महाविद्यालय, पणजी | टीसीसीसी |
| 8 | हरियाणा | सिविल अस्पताल, अंबाला कैंट | टीसीसीसी |
| 9 | हिमाचल प्रदेश | इंदिरा गांधी चिकित्सा महाविद्यालय, शिमला | टीसीसीसी |
| 10 | हिमाचल प्रदेश | श्री लाल बहादुर शास्त्री चिकित्सा महाविद्यालय, मंडी | टीसीसीसी |
| 11 | जम्मू और कश्मीर | शेर-ए-कश्मीर इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेज, श्रीनगर | एससीआई |
| 12 | | राजकीय चिकित्सा महाविद्यालय, जम्मू | एससीआई |
| 13 | झारखंड | राजेंद्र इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेज, रांची | एससीआई |
| 14 | कर्नाटक | किदवई मेमोरियल इंस्टीट्यूट ऑफ ऑन्कोलॉजी (आरसीसी), बेंगलुरु | एससीआई |
| 15 | | मांड्या इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेज, मांड्या | टीसीसीसी |
| 16 | केरल | क्षेत्रीय कैंसर केंद्र, तिरुवनंतपुरम | एससीआई |
| 17 | | राजकीय चिकित्सा महाविद्यालय, कोझीकोड | टीसीसीसी |
| 18 | मध्य प्रदेश | जीआर चिकित्सा महाविद्यालय, ग्वालियर | टीसीसीसी |
| 19 | | नेताजी सुभाष चंद्र बोस चिकित्सा महाविद्यालय, जबलपुर | एससीआई |
| 20 | महाराष्ट्र | राष्ट्रसंत तुकडोजी क्षेत्रीय कैंसर अस्पताल और अनुसंधान केंद्र, नागपुर | टीसीसीसी |
| 21 | | राजकीय चिकित्सा महाविद्यालय, औरंगाबाद | एससीआई |
| 22 | | विवेकानंद फाउंडेशन एंड रिसर्च सेंटर, लातूर | टीसीसीसी |
| 23 | मिजोरम | मिजोरम राज्य कैंसर संस्थान, आइजोल | टीसीसीसी |
| 24 | नागालैंड | जिला अस्पताल, कोहिमा | टीसीसीसी |
| 25 | ओडिशा | आचार्य हरिहर क्षेत्रीय कैंसर केंद्र, कटक | एससीआई |
| 26 | पंजाब | राजकीय चिकित्सा महाविद्यालय, अमृतसर | एससीआई |
| 27 | | सिविल अस्पताल, फजिल्का | टीसीसीसी |
| 28 | राजस्थान | एस पी चिकित्सा महाविद्यालय, बीकानेर | टीसीसीसी |
| 29 | | एसएमएस चिकित्सा महाविद्यालय, जयपुर | एससीआई |
| 30 | | झालावाड़ चिकित्सा महाविद्यालय एवं अस्पताल, झालावाड़ | टीसीसीसी |
| 31 | सिक्किम | मल्टीस्पेशलिटी अस्पताल सोचेगांग(सिचे) गंगटोक के पास, सिक्किम | टीसीसीसी |
| 32 | तमिलनाडु | कैंसर संस्थान (आरसीसी), अडयार, चेन्नई | एससीआई |
| 33 | तेलंगाना | एमएनजे इंस्टीट्यूट ऑफ ऑन्कोलॉजी एंड आरसीसी, हैदराबाद | एससीआई |
| 34 | त्रिपुरा | कैंसर अस्पताल (आरसीसी), अगरतला | एससीआई |
| 35 | उत्तर प्रदेश | संजय गांधी स्नातकोत्तर आयुर्विज्ञान संस्थान, लखनऊ | टीसीसीसी |
| 36 | उत्तराखंड | राजकीय चिकित्सा महाविद्यालय, हल्द्वानी | एससीआई |
| 37 | पश्चिम बंगाल | राजकीय चिकित्सा महाविद्यालय, बर्दवान | टीसीसीसी |
| 38 | | मुर्शिदाबाद चिकित्सा महाविद्यालय और अस्पताल, बरहामपुर, मुर्शिदाबाद | टीसीसीसी |
| 39 | | सागोर दत्ता मेमोरियल चिकित्सा महाविद्यालय और अस्पताल, कोलकाता | टीसीसीसी |

अनुलग्नक 2

**तालिका 1: सभी नए अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान में कैंसर उपचार सुविधा को मंजूरी दी गई है**

| क्र. सं. | अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान | | क्र. सं. | अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान |
|---|---|---|---|---|
| 1 | भोपाल | | 12 | बठिंडा |
| 2 | भुवनेश्वर | | 13 | गुवाहाटी |
| 3 | जोधपुर | | 14 | बिलासपुर |
| 4 | पटना | | 15 | देवघर |
| 5 | रायपुर | | 16 | जम्मू |
| 6 | ऋषिकेश | | 17 | कश्मीर |
| 7 | रायबरेली | | 18 | मदुरै |
| 8 | मंगलागिरी | | 19 | राजकोट |
| 9 | नागपुर | | 20 | बीबीनगर |
| 10 | कल्याणी | | 21 | मनेठी |
| 11 | गोरखपुर | | 22 | दरभंगा |

**तालिका 2: कैंसर उपचार के लिए उन्नयन के लिए शुरू किए गए राजकीय चिकित्सा महाविद्यालयों / संस्थानों की सूची**

| क्र. सं. | राज्य | राजकीय चिकित्सा महाविद्यालय का नाम | सुविधा |
|---|---|---|---|
| 1. | झारखंड | रिम्स रांची | ऑन्कोलॉजी ब्लॉक |
| 2. | पंजाब | राजकीय चिकित्सा महाविद्यालय अमृतसर | ऑन्कोलॉजी |
| 3. | हिमाचल प्रदेश | राजेंद्र प्रसाद राजकीय चिकित्सा महाविद्यालय, टांडा | ऑन्कोलॉजी |
| 4. | कर्नाटक | कर्नाटक इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेज, हुबली | मेडिकल ऑन्कोलॉजी |
| 5. | राजस्थान | एसपी चिकित्सा महाविद्यालय, बीकानेर | सर्जिकल ऑन्कोलॉजी |
| 6. | राजस्थान | आरएनटी चिकित्सा महाविद्यालय, उदयपुर | रेडियोथेरेपी/ |
| 7. | तेलंगाना | काकतीय चिकित्सा महाविद्यालय, वारंगल | मेडिकल ऑन्कोलॉजी |
| 8. | उत्तर प्रदेश | राजकीय चिकित्सा महाविद्यालय, गोरखपुर | सर्जिकल ऑन्कोलॉजी |
| 9. | उत्तर प्रदेश | एम.एल.एन राजकीय चिकित्सा महाविद्यालय, इलाहाबाद | सर्जिकल ऑन्कोलॉजी |
| 10. | उत्तर प्रदेश | एलएलआरएम चिकित्सा महाविद्यालय, मेरठ | रेडियोथेरेपी |
| 11. | उत्तर प्रदेश | राजकीय चिकित्सा महाविद्यालय, आगरा | विकिरण / चिकित्सा ऑन्कोलॉजी |
| 12. | बिहार | पटना | रेडियोथेरेपी (उपकरण) |
| 13. | केरल | श्री चित्रा तिरुनल इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेज एंड टेक्नोलॉजी, तिरुवनंतपुरम | इमेजिंग सेवाएं और इंटरवेंशनल रेडियोथेरेपी |

****